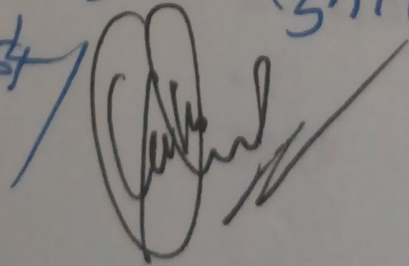


4/9
23

आजमद परावली धारणी सुमानराम के द्वारा जारी
कील धारणी पर परा वरु के पर केसी में नी
रुई। धारणी पर परा वरु निवेदन किया है
कि धारणी का आपाधिकार के मध्य प्रत्येक
में राजीराम हो गया है लोक अदालत पर
जावे में मौलिक में मिलकर राजीराम
करवा दिया है। अतः राजीराम होने की
दूरत धारणी को दावा विद्वो करने
की आजमद परावली के।

धारणी द्वारा जारी कील परत विद्वो
धारणी पर वरु स्वीकार किया पाठ
उक्त दावा पर वरु विद्वो इसी
तर पर रवारिज किया पाठ है।
परावली परत (उभार होकर) कि
इफतद है।



उके...
पर...
...